दूसरा, मैं पूछना चाहता हूं कि जो अनअथोराइज कालोनीज बनी हुई हैं क्या उनके अंदर इसेंशियल सर्विसेज जैसे बिजली पानी और सैनीटेशन की व्यवस्था है या नहीं है ।

SHRI P. C. SETHI: The facilities with regard to sanitation, electricity and provision of roads, are provided as soon as the colony is taken over and regularised. As far as the labour which comes for construction work is concerned, they do not settle themselves into a colony; they form small slums and it is being taken care of that as soon as the work is over, the slum is not allowed to remain there.

Central approval for 'Neriya Project' in Karnataka

*242. SHRI B. IBRAHIM: Will the Minister of IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether any proposal has been received by the Central Government regarding the approval of "Neriya Project" from the Government of Karnataka; and

(b) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF IRRIGATION (SHRI Z. R. ANSARI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

SHRI B. IBRAHIM: Sir, is it a fact that the Government of Karnataka has sought the permission of the Central Government to obtain assistance from the Gulf countries for completion of ongoing major irrigation projects in Karnataka? If so, what has been done for this proposal?

SHRI Z. R. ANSARI: I think this does not arise out of the main question.

SHRI B. IBRAHIM: The question actually relates to Neriya Project in Karnataka and the Minister has said that no proposal has come. But as I understand, the Government of Karnataka did send a proposal; unfortunately I do not have the reference here. I shall now put my second supplementary. Government of Karnataka has requested the Central Government for increase in the Plan provision for irrigation projects; I want to know if it is so.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The question relates to a specific project and he has replied that no such proposal has been received. If you have any further information, you may write to him. It is not a wider question to cover the other question also.

Next question now.

Maintenance of bungalows of the Cabinet Ministers

*243. SHRI SYED AHMAD HASHMI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) what is the total amount spent on the maintenance of the bungalows of the Cabinet Ministers during 1980 and upto July this year; and

(b) whether any ceiling limit has been fixed on annual maintenance expenses?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (SHRI MOHAMMED USMAN ARIF): (a) The total amount spent on the maintenance of the bungalows of the Ministers during 1980-81 and 1981-82 upto July, 81, is Rs. 16, 25 202 and Rs. 5,99,403 respectively.

(b) Yes. Sir.

شری سید احمد هاشمی - جناب ڈپٹی چیرمین صاحب کیا یہ بات صحیح نہیں ہے کہ شاہی اور مونارکی تو ختم ہو گئی لیکن ہمارے منسٹروں نے اس مزاج کی روایت کو باقی رکھا ہے اور بڑھایا ہے - جہانتک ہمارے نولیج میں ہے وہ یہ ہے کہ ایک منسٹر جب کسی بنگلہ میں جاتا ہے تو جانے سے پہلے اسکو جس طریقہ سے حسین بناتا ہے اسکا مینٹیننس اس کی سجاوٹ اور ڈیکوریشن جو ہوتا ہے وہ تو ہوتا ہی ہے ہو سکتا ہے کہ اسکا کچھ جسٹی فیکیشن ہمارے منسٹر صاحب نکال لیں لیکن یہ بات سمجھ میں نہیں آتی ہے کہ ابھی مہینہ بھی نہیں گزرنے پاتا ہے - شاید انکی طبیعت اکتا جاتی ہے اور دل بھر جاتا ہے اس حسن و خوبصورتی سے اور اسکے بعد فرمائش دوسری ہو جاتی ہے کہ اسکو از سر نو ڈیکوریٹ کیا جائے یا از سر نو سجایا جائے - یہ بات کہاں تک صحیح ہے -

†[श्री सैयद अहमद हाशमी : जनाब डिप्टी चेयरमैन साहब, क्या यह बात सही नहीं है कि शाही और मौनारकी तो खत्म हो गयी लेकिन हमारे मिनिस्टरों ने इस मिजाज की रिवायत की बाकी रखा है और बढ़ाया है । जहां तक हमारी नालज में है वह यह है कि एक मिनिस्टर जब किसी बंगला में जाता है तो जाने से पहले उसको जिस तरीका से हसीन बनाता है इसका मेनटेनेंस, उसकी सजावट और डेकोरेशन जो होता है तो वो होता ही ही है । हो सकता है कि इसका कुछ जस्टीफिकेशन हमारे मिनिस्टर साहब निकाल लें । लेकिन यह बात समझ में नहीं आती है कि अभी महीना भी नहीं गुजरने पाता है---शायद उनकी तबीयत उक्ता जाती है और दिल फिर जाता है । उस हुस्न और खूबसूरती से और उसके बाद फरमाइश दूसरी हो जाती है और उसको अजसरेनो डे कोरेट किया जाए या अजसरेनो सजाया जाए । यह बात कहां तक सही है ।]

شری محمد اعشان عارف - جناب والا انرپیل ممبر صاحب نے جہانتک حسن و زینت کا ذکر کیا وہ تو اپنے اپنے ذوق کے مطابق ہر شخص کرتا ہے اور اگر کوئی منسٹر اپنے طور پر اپنے بنگلہ کی زینت اور آرائش کرے تو اس میں گورنمنٹ کو کوئی تامل نہ ہونا چاہئے - رہا سوال یہ کہ وہ زینت و آرائش کرنے کے بعد دوسری طرف منتقل ہونا چاہتے ہیں - ایسے کیسز ہماری نالج میں تو نہیں ہیں البتہ یہ بات ضرور ہے کہ ہماری

†[ ] Devanagari Transliteration.

شری سید احمد هاشمی - حالانکہ ابھی انہوں نے جو آرائش کہا اور ہو سکتا ہے کہ مجھے سننے میں کوئی فرق ہوا ہو لیکن آسائش و آرائش . . . . . .

†[श्री सयद अहमद हाशमी : हालांकि अभी उन्होंने जो अराशय कहा है हो सकता है कि मुझे सुनने में कोई फर्क हुआ हो लेकिन असायश व अराशय..)

श्री जगदीश प्रसाद माथर : अराईश कहां ।

राव बीरेन्द्र सिंह : असाइश की बात सुनते हैं यह ।

شری سید احمد هاشمی - آسائش اور آرائش میں بہت فرق ہے . .

†[श्री सैयद अहमद हाशमी : असायश और अरायश में बहुत फर्क है..]

श्री उपसभापति : माथुर जी ने कहा है, उन्होंने नहीं कहा

شری سید احمد هاشمی - بہت ٹھیک کہا ہے آپ نے اگر انہوں نے آسائش کہا ہے تو بہت ٹھیک ہے لیکن میں یہ کہہ رہا ہوں کہ آسائش اور آرائش میں بہت فرق ہے اور جہانتک میں سمجھتا ہوں مسئلہ آسائش کا نہیں وہ آرائش کا ہے - آسائش پر تو کسی کو اعتراض نہیں ہو سکتا لیکن ہمارے آنریبل منسٹر نے وہ سنا اور وہ حد نہیں بتلائی - حالانکہ میں نے حد کہلے طور پر پوچھی کہ وہ کیا ہے کیا لمٹ ہے -

طرف سے گورنمنٹ کی طرف سے ایک لمیٹ ہے اس لمیٹ کے مطابق انکو جو آسائش مہیا کی جا سکتی ہے وہ کی جاتی ہے - اس کے علاوہ وہ جو کچھ کرتے ہیں انکا ذاتی شوق ہے اور ذاتی انکی کارگزاری ہے -

†[श्री मोहम्मद उस्मान आरिफ : जनाबेवाला आनरेबुल मेम्बर साहब ने जहां तक हुस्न व जीनत का जिक्र किया वो तो अपने अपने जोख के मुताबिक हर शख्स करता है और अगर कोई मिनिस्टर अपने तौर पर अपने बंगला की जिनत और अरायश करे तो इसमें गवर्नमेंट को कोई तामिल न होना चाहिए। रहा सवाल यह कि वो जीनत व अराइश करने के बाद दूसरी तरफ मुलतकिल होना चाहते हैं । ऐसे केसेज हमारी नालेज में तो नहीं है अलबता यह बात जरूर है कि हमारी तरफ से गवर्नमेंट की तरफ से एक लिमिट है । इस लिमिट के मुताबिक उनको जो अशायस मुहैया की जा सकती है वो की जाती है । इसके अलावा वो जो कुछ करते हैं उनका जाती जोक है और जाती उनकी कार-गुजारी है ।]

شری سید احمد هاشمی - آنریبل منسٹر نے بڑی اچھی وکالت کی تمہیدی کہا ہے کہ آسائش کی سہولیت دیجاتی ہے -

†[श्री सैयद अहमद हाशमी : आनरेबिल मिनिस्टर ने बड़ी अच्छी वकालत की, डिफेंड किया है कि अशाईश की सहूलियत की जाती है ।]

श्री जगदीश प्रसाद माथर : शराइश कहां है ।

†[] Devanagari Tranliteration.

دوسری چیز که اصل سوال کا جواب دیتے ہوئے انہوں نے گریز کیا لیکن میں پوچھونگا کہ کیبنیٹ منسٹر اسٹیٹ منسٹر اور ڈپٹی منسٹر ان تینوں کے اندر کیا پرایرٹی ہے ان تینوں کی الگ الگ سیمائیں کیا ہیں -

†[श्री सैयद अहमद हाशमी : बहुत ठीक कहा है । आपने अगर उन्होंने असायश कहा है तो बहुत ठीक है । लेकिन मैं कह रहा हूं कि असायश और अरायश में बहुत फर्क है और जहां तक मैं समझता हूं मसला असायश का नहीं वो अरायश का है । असायश पर तो किसी को एतराज नहीं हो सकता लेकिन हमारे आनरेबुल मिनिस्टर ने वो सीमा और वो हद नहीं बतलाई हालांकि मैंने खुद खुले तौर पर पूछी कि वह क्या है, क्या लिमिट है दूसरी चीज के असल सवाल का जवाब देते हुये उन्होंने गुरेज किया लेकिन मैं पूछूंगा कि कबिनेट मिनिस्टर, स्टेट मिनिस्टर और डिप्टी मिनिस्टर इन तीनों के अन्दर क्या प्रायरिटी है और तीनों की अलग-अलग सीमाएं क्या हैं ।]

شری محمد عثمان عارف - جناب والا کیبنیٹ منسٹر اسٹیٹ منسٹر اور ڈپٹی منسٹر کے لئے ...

†[श्री मोहम्मद उस्मान आरिफ : जनाबेवाला, कैबिनेट मिनिस्टर, स्टेट मिनिस्टर और डिप्टी मिनिस्टर के लिए . . .]

Cabinet Minister and Minister of State are supplied, free of rent, furniture costing Rs. 38,500, and Deputy Ministers, furniture costing Rs. 22,500. However, the above limit relates to the items of furniture supplied to the ministers and not to the maintenance thereof.

श्री हुक्म देव नारायण यादव : उपसभापति जी, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि जिस देश में आधी आबादी गरीबी की रेखा से नीचे रहती हो, जिस देश में आधे से अधिक लोगों को दो जून खाना और तन पर कपड़ा नहीं और दिल्ली में ही 26 प्रतिशत आबादी फुटपाथ पर सोती हो सरकार के आंकड़ों के अनुसार, जिस दिल्ली में 26 प्रतिशत लोग सड़क के किनारे सोते हों, गंदी बस्तियों में, उस देश के जनता के प्रतिनिधि और जनता के जो मंत्री हैं सरकार चलाने वाले लोग, उनके बंगलों को सजाने मे 38,000 या 40,000—यह तो केवल कागज पर है और तीन, चार पांच एकड़ जमीन है जिसके ऊपर कि बंगले दिल्ली में बने हुये हैं । शायद दरभंगा महाराज का हथसार का बड़का-बड़का हाथी भी उतने बड़े बंगले में नहीं रहा था । तो यह तीन-तीन, चार-चार, पांच-पांच एकड़ पर जो बंगला बना हुआ है . . . (व्यवधान)

श्री उपसभापति : जरा सवाल पूछिए ।

श्री हुक्म देव नारायण यादव : सवाल यही है । सवाल इसी लिए तो कर रहा हूं । एक तरफ आपके गाँव में भी पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार मे लोगों को दो गट्ठा जमीन जोतने के लिए नहीं है । एक तरफ जमीन जोतने के लिए व्याकुल हैं । तो मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या इस आजाद भारत में जनता के बीच में और जनता के प्रतिनिधियों के

†[ ] Devanagari Transliteration.

बीच में, जनता के बीच में और सरकार चलाने वालों के बीच, उनके रहन-सहन, खान-पान, ठाट-बाट, शान-ओ-शौकत में यह जो विषमता है।

श्री उपसभापति : यह सवाल नहीं है।

श्री हुक्म देव नारायण यादव : खुल्लम-खुल्ला आज जो एवरेस्ट की चोटी और पाताल के बीच वाली खाई बनी हुई है, इसको कम करने के लिए . . . (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : यह सवाल नहीं है।

श्री हुक्म देव नारायण यादव : अपने खर्च को कम करने के लिए, फिजूलखर्ची को रोकने के लिए कोई सरकार के पास योजना है ?

एक माननीय सदस्य : सवाल यह है कि वार्तालाप . . . (**व्यवधान**)

شری محمد عثمان عارف -

معزز ممبر صاحب نے جو اتنی بڑی بھومکا باندھی اس سوال سے یہ چیز نہیں اٹھتی ہے اور میں سمجھتا ہوں کہ جس طرح سے رہائش اور آرائش کے جو اسباب منسٹرس کے لئے مہیا کئے گئے ہیں اسیطرح سے ممبران پارلیمنٹ کے لئے بھی کئے گئے ہیں - گو اسمیں کچھ انتر ہے - لیکن اس سوال کے سلسلہ میں آپ نے جو سوال اٹھایا میں سمجھتا ہوں کہ وہ پیدا نہیں ہوتا -

†[**श्री मोहम्मद उस्मान आरिफ** : मुअज्जिज मेम्बर साहब ने जो इतनी बड़ी भूमिका बांधी उस सवाल से यह चीज नहीं उठती है और मैं समझता हूं कि जिस तरह से रिहायश और अरायश के जो असबाब मिनिस्टर्स के लिए मुहैया किए गए हैं इस तरह से मेम्बरान पार्लियामेंट के लिए भी किए गए हैं। जो इसमें कुछ अन्तर है लेकिन इस सवाल के संदर्भ में आपने जो सवाल उठाया है, मैं समझता हूं कि वो पैदा नहीं होता।]

SHRI SYED SHAHABUDDIN: Mr. Deputy Chairman, Sir, I do not think it will be just on our part to accuse the Government of adopting a selfish attitude or an attitude of partiality or prejudice against the people of Delhi because I think this Government has spent lakhs of rupees on the beautification of Delhi itself. But, keeping this in view, I would like to know in particular about the expenditure incurred on the bungalow on the Raisina Road which was until recently occupied by one of the Cabinet Ministers, the Minister of Communications, Mr. Stephen, and which had recently been demolished and handed over to a private party. I would like to know the expenditure incurred on that bungalow, on its repair, maintenance, furnishing, decoration and demolition since January, 1980. I would particulary like to know the expenditure incurred on the construction of additional accommodation in the same premises after he became a Cabinet Minister.

SHRI MOHAMMED USMAN ARIF: Sir, it is a specific question and I require notice for it.

SHRI SYED SHAHABUDDIN: Sir, it flows directly from the question on the maintenance of the bungalows of the Cabinet Ministers. I am asking a question about one of the bungalows. He ought to have this information. He cannot take shelter in this way. (In-

†[ ] Devanagari Transliteration.

terruptions) He should have come adequately preparsed to the House.

SHRI P. C. SETHI: Sir, the information asked for in the original question is with regard to the amount spent on the repairs of the Minister's bungalows. Now we have got a limit of Rs. 7 per sq. metre for it for the Ministers, whether they are Ministers or Deputy Ministers, and Rs. 3 for the electrical installations. Now, within this overall limit, the expenditure is incurred. For example, whenever there is water seeping on the terrace, a programme of putting damar on the roof of the bungalow is taken up. Therefore, it is very difficult to divide the expenditure. It is the bulk amount which is spent. As far as the particular question about Mr. Stephen's bungalow is concerned, the hon. Member should appreciate that Mr. Stephen occupied a bungalow which was meant for a Member of Parliament and it was only because of that that an office was added to that. I do not exactly know the cost of construction of the office, but that was essential.

SHRI SYED SHAHABUDDIN: I am not asking about the essentiality; I am only asking about the cost.

श्री महेन्द्र मोहन मिश्र : हमारे भाई हुकमदेव नारायण यादव जी ने काफी चर्चा की कि हिन्दुस्तान में इतनी आबादी गरीबी के रेखा के नीचे रहती है और यहां इतनी गरीबी है तो इस सिलसिले में मैं ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि जनता और लोक दल जब सरकार में थे और जब आप भी लोक सभा में थे तो आपने क्या इस तरह की कोई बात उठाई थी या कोई हंगामा किया था ? और इस सिलसिले में पूछना चाहता हूं माननीय मंत्री जी से कि आप ने मंत्रियों के लिए 38,500 की राशि फिक्स की है लेकिन जो ससद् सदस्य हैं उनको आप कितने का फर्नीचर देते हैं और उस सीमा को क्या आप बढ़ाने की बात सोच रहे हैं या नहीं ? और दूसरी बात यह है कि जो पुराना फर्नीचर है वह करीब-करीब 18 वीं शताब्दी का है, उसी समय के सोफे और पलंग उनके पास चल रहे हैं उन सांसदों के पास, तो मैं स्पष्ट पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इस पर गंभीरता से पूर्वक विचार कर रही है या नहीं ? और नहीं कर रही है तो क्यों नहीं कर रही है ? उन की सुविधायें बढ़ाने की बात क्या आप सोच रहे हैं ?

SHRI P. C. SETHI: Sir, I appreciate the difficulties faced by the hon. Members of Parliament whenever they are supplied old furniture. I remember very clearly that some time back.... (Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. This is not the way. I have seen you, but you came late.

SHRI P. C. SETHI: ... the Department was asked to have new furniture for every Member of Parliament and gradually it is being replaced. As far as the total limit for the Ministers is concerned, the amount of Rs. 38,500 includes the expenditure on electrical appliances also. Every Minister has to pay rent for the extra furniture in his house. Besides this, he has also to pay the electricity charges if it goes beyond a particular limit. Besides this, he has also to pay for the raw water which is used in the lawns, if it goes beyond the limit. Then, he has also to pay for the rent of the servant quarters, electrification etc. Therefore, Sir, the plight of a Minister, as far as the financial position is concerned, is much worse as compared to others.

श्री पी० एन० सुकुल : श्रीमन्, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वह इस बात की पुष्टि करेंगे कि जनता और लोक दल की सरकारों में मंत्रियों ने जो लिमिट थी उस से भी ज्यादा खर्चा किया था ? स्वास्थ्य मंत्री ने विशेष रूप से अपने बंगले के ऊपर ज्यादा खर्चा किया था, क्या यह बात सही है ?

SHRI P. C. SETHI: I do not have the figures...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Rahmat Ali, please sit down. This is not the way. Do not stand up every time.

SHRI SYED RAHMAT ALI: What to do?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nobody is standing up in the House. Only you are standing up.

SHRI SYED RAHMAT ALI: That, I know, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You please take your seat and raise your hand. That is all right. It is not that I am not seeking your hand.

SHRIMATI PURABI MUKHOPADHYAY: Sir, this side also.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have already called this side, madam. When we come to the end of the question, please do not raise hands.

SHRIMATI PURABI MUKHOPADHYAY: I am drawing your attention. I am not asking any question. The question is regarding maintenance of the bungalows of the Cabinet Ministers. How is that it has come down to the MP's bungalows? How have you allowed it?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let it be there. What is the harm? Mr. Minister, please answer.

SHRI P. C. SETHI: Sir, I do not have any amount or figure with regard to the expenditure incurred during the previous Government's regime. But, Sir, everybody is aware of the fact that as far as the previous Council of Ministers is concerned, those Ministers also enjoyed the same facility.

DR. MAHAVIR: Sir,...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is too late in the day.

श्री सैयद रहमत अली : जनाब, मिनिस्टर साहब ने अपने जवाब में यह बात बताई मौलाना सैयद अहमद हाशमी को कि मिनिस्टरों के मकानात उनकी जांच के मुताबिक बनाये जाते हैं और दुरुस्त किये जाते हैं। लेकिन मैं मिनिस्टर साहब से यह पूछना चाहता हूं कि क्या पार्लियामेंट के मेम्बर भी बहुत से ऐसे हैं जो जांच से सलूक रखते हैं, इससे मंत्री जी वाकिफ हैं या नहीं ? मैं जिस घर में रहता हूं उसमें चूहे-बिच्छू और तरह-तरह के जानवर परेशान करते हैं और तीन-तीन दिन से मैं इंजीनियर को टेलीफोन कर रहा हूं और कोई आकर नहीं देखता है। तो इसका इलाज क्या है ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please look into his complaint.

شری محمد عثمان عارف - جناب

آنریبل ممبر صاحب نے جو فرمایا کہ ہم منسٹر صاحبان کے ذوق کا خیال رکھتے ہیں اور انکی آسائش اسی کے مطابق کرتے ہیں - یہ ہم نے نہیں کہا تھا - انکی آسائش کیلئے جو کچھ پراودھان ہے اسکے مطابق کیا جاتا ہے - آنریبل ممبر پارلیمینٹ بھی ذوق رکھتے ہیں - اسکے جواب میں میں کہتا ہوں کہ انکا ذوق بھی بہت اچھا ہے بہت اونچا ہے - اس سے کوئی

انکار نہیں کر سکتا ہے - رہا سوال چوہے اور بچھو دوارا پریشان کرنے کا — جانکہ منسٹری بھی آپ کی آسائش اور راحت کی ذمہ دار ہے - لیکن ہم سے پہلے دو ایجنسیز ہوتی ہیں ایک تو انکوائری آفس جنکو ممبر پارلیمینٹ اپنی شکایتیں پیش کر سکتیں ہیں - دوسرے اس کے بعد دو ہاؤس کمیٹی کے چیئرمین ہیں - لوک سبھا اور راجیہ سبھا کی الگ الگ ہاؤس کمیٹیز ہیں اور ممبر صاحبان انکو اپنی شکایتیں پیش کر سکتے ہیں اور میں سمجھتا ہوں کہ وہ انکی شکایتوں کو دور کریں گے -

†[**श्री मोहम्मद उस्मान आरिफ** : जनाब आनरेबुल मेम्बर साहब ने जो फर्माया कि हम मिनिस्टर साहेबान के जोख का खयाल रखते हैं और उनको असायश उसी के मुताबिक करते हैं। यह हमने नहीं कहा है। इनको असायश के लिये जो कुछ प्रावधान है उसके मुताबिक किया जाता है। आनरेबुल मेम्बर पार्लियामेंट भी जोखम रखते हैं इसके जवाब में मैं कहता हूं कि इनका जोख भी बहुत अच्छी है, बहुत ऊंचा है। इससे कोई इंकार नहीं कर सकता है। रहा सवाल चूहे और बिच्छू द्वारा परेशान करने का—हालांकि मिनिस्टरी भी आपकी असायश और राहत की जिम्मेदार है लेकिन हमसे पहले दो एजेन्सिस होती हैं एक तो इन्क्वायरी आफिस और जिनको मेम्बर पार्लियामेंट अपनी शिकायतें पेश कर सकते हैं दूसरे उसके बाद दो हाउस कमेटी के चेयरमैन हैं। लोक सभा और राज्य सभा की अलग अलग हाउस कमेटिज हैं और मेम्बर साहेबान उनको अपनी शिकायतें पेश कर सकते हैं और मैं समझता हूं कि वो उनकी शिकायतों को दूर करेंगे।]

SHRI P. C. SETHI: Sir, I would only like to add that we will certainly look into the complaint of the hon. Member.

(Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Just a moment. About the amenities of the Members, there is the House Committee. It is for the House Committee and the Chairman of the Committee to look into all these details. These matters do not go directly to the Minister concerned.

श्री रामेश्वर सिंह : श्रीमन्, मंत्री जी ने यह बताया है अपने जवाब में कि मंत्री लोगों के लिए कुछ सीमा निर्धारित है और संसद् सदस्यों के लिए भी सीमा निर्धारित है। अभी बताया गया कि उनके घर में चूहे और बिल्ली... (**व्यवधान**) हैं इसका भी आपने बता दिया, लेकिन मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जब मंत्री के लिए सीमा निर्धारित है, संसद् सदस्यों के लिए सीमा निर्धारित है, जिसमें चूहे और बिल्ली रहते हों तो प्रधान मंत्री की कोठी पर उनके रख-रखाव पर, उनकी बिजली पर, पानी पर, उनके संतरी पर कितना खर्च होता है, यह बताने की कृपा करें? (**व्यवधान**)

श्री जे० के० जैन : मंत्री महोदय ने जवाब दे दिया है कि पर्टीकुलर मामले के बारे में कुछ नहीं कह सकते। यहां पर आप को यह सप्लीमेंटरी एलाऊ नहीं करना चाहिए। (**व्यवधान**) मेरा आप से निवेदन है कि आप इसको एलाऊ न करें। (**व्यवधान**)

†[ ] Devanagari Transliteration.

श्री रामेश्वर सिंह : मैं पूछ रहा हूं कि उनकी कोठी के रख-रखाव पर कितना खर्चा होता है ?

श्री उपसभापति : आप का सवाल हो गया आप बैठ जाइये। (व्यवधान)

SHRI P. C. SETHI: Sir, as far as the question of any expenditure on the PM's house, on repairs, etc., is concerned, it is also being looked after as the houses of other Ministers. And the original question does not provide for a specific question on this figure. Therefore, readily I do not have the figure.

श्री रामेश्वर सिंह : मैंने पूछा है कि कितना खर्चा होता है । मेरे प्रश्नों का जवाब इन्होंने नहीं दिया । (व्यवधान)

श्री उपसभापति : इसका उत्तर हो गया ।

Next Question, 244.

Availability of essential commodities during festivals

*244. SHRIMATI RATAN KUMARI:†
SHRIMATI HAMIDA HABIBULLAH:

Will the Minister of CIVIL SUPPLIES be pleased to state the steps taken by Government to make available essential commodities to the consumers during the forthcoming fastivals?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION AND CIVIL SUPPLIES (RAO BIRENDRA SINGH): A statement is laid on the Table of the Sabha.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Ratan Kumari.

Statement

Keeping in view the requirements of the consumers in the forthcoming festival season, various steps have been taken by the Union Government to increase the supply of wheat products, sugar, edible oils and vanaspati. Additional allotment of 39.8 thousand tonnes of wheat has been made to the roller flour mills of the various States in addition to the normal monthly allotments. To ensure availability of sugar and khandsari during the coming festival months, Government have released 2.25 lakh tonnes of free-sale sugar for the month of September, 1981 compared to 1.70 lakh tonnes in August, 1981 and 1.80 lakh tonnes each in June and July, 1981. Two lakh tonnes of sugar are being imported to augment the availability during the next few months.

Khandsari producers in the country have been directed by an order issued in April, 81 to dispose of a minimum specified percentage of their stocks during each of the months from May to September, 81 to ensure smooth flow of khandsari in the market. The allotment orders for levy sugar for the month of September, 1981 have been issued to the Food Corporation of India and the State Governments two weeks in advance of the normal time. Similarly, allotment orders for October, 1981 are being issued in advance to ensure timely availability of levy sugar during the festival months. The Food Corporation of India has been advised to ensure expeditious lifting and movement of levy sugar so that adequate stocks are available for the public distribution system during the festival months.